Fourteenth Loksabha

Session : 10
Date : 03-03-2006
Participants : Acharia Shri Basudeb,Verma Shri Bhanu Pratap Singh,Baghel Prof. S.P. Singh,Rajendran Shri P.,Rawale Shri Mohan,Athawale Shri Ramdas,Lalu Prasad Shri

>

Title : Discussion on the Budget (Railways) 2006-07; Demands for Grants on Account (Railways) , 2006-07; Supplementary Demands for Grants (Railways) , 2005-06; Demands for Excess Grants (Railways), 2003-04.

MR. DEPUTY-SPEAKER: Now, we will take up items no. 10, 11, 12 and 13 together. Shri Lalu Prasad Ji.

… (*Interruptions*)

SHRI BASU DEB ACHARIA (BANKURA): Sir, I want to make one submission.

… (*Interruptions*)

उपाध्यक्ष महोदय : आचार्य जी, आप कुछ कहना चाहते हैं?

…(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : क्या आपस में कुछ समझौता हुआ है?

… (*Interruptions*)

SHRI BASU DEB ACHARIA : Sir, you have agreed and others also have agreed.

रेल मंत्री (श्री लालू प्रसाद) : उपाध्यक्ष महोदय, रात को यह क्लोज़ हो गया था, माननीय सदस्य उस टाइम पर उपस्थित नहीं थे, फिर भी ये बड़े नेता हैं इसलिए इन्हें दस मिनट बोलने का समय दे दें।

उपाध्यक्ष महोदय : दस मिनट का समय नहीं, पांच मिनट का समय मिलेगा, मुझे भी अन्य कई काम हैं।

…(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : टाइम चेयर ने अलाट करना है, आपने नहीं करना है। आचार्य जी, आपको सिर्फ पांच मिनट बोलने के लिए मिलेंगे, क्योंकि मैंने भी कई अन्य काम करने हैं।

… (*Interruptions*)

SHRI BASU DEB ACHARIA : I will conclude within ten minutes.

I thank the hon. Railway Minister for having declared next year as the Year of Passengers. But this has not been reflected in the case of suburban services. … (*Interruptions*)

उपाध्यक्ष महोदय : आचार्य जी के सिवा अन्य कोई नहीं बोलेगा ।

…(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Nobody will be allowed to speak. Not at all.

… (*Interruptions*)

SHRI BASU DEB ACHARIA : I want to say something in regard to acquisition of EMU coaches for suburban services. … (*Interruptions*)

श्री मोहन रावले (मुम्बई दक्षिण-मध्य) : उपाध्यक्ष महोदय, मुझे भी एक मिनट बोलने का समय दीजिए।…(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : मैं आपकी फेवर में एक बात कर सकता हूं कि अगर कोई रह गया है तो वह अपनी स्पीच टेबल पर ले कर सकता है, हम उसे एडमिट कर लेंगे और वह रिकार्ड में आ जाएगी।

… (*Interruptions*)

SHRI BASU DEB ACHARIA : In regard to acquisition of EMU coaches, the programme for the next year is that they plan to acquire lesser coaches than what they had for the current year. … (*Interruptions*)

उपाध्यक्ष महोदय : आचार्य जी की स्पीच के बगैर कुछ भी रिकार्ड नहीं होगा।

… (*Interruptions*)

SHRI BASU DEB ACHARIA : In the last year, we had 340 coaches, whereas this year, it has been reduced to 305 coaches only. … (*Interruptions*)

उपाध्यक्ष महोदय : आठवले जी, मैंने आपका नाम लिया था, उस समय आप यहां उपस्थित नहीं थे। अब आप अपनी स्पीच ले कर सकते हैं।

… (*Interruptions*)

SHRI BASU DEB ACHARIA : Same is the case with other conventional coaches also. … (*Interruptions*) There is lesser number of EMU coaches for suburban services, but the Minister has declared next year as the Year of Passengers. But this has not been reflected in regard to coaches. … (*Interruptions*)

Today, Indian Railways is using 700 over-aged coaches which are to be replaced. But there is no such programme for replacement of coaches. … (*Interruptions*)

He has made announcement in regard to dedicated freight corridor. … (*Interruptions*) When it was conceived, it was planned to have two dedicated freight corridors – East Freight Corridor and West Freight Corridor. Originally, the East Freight Corridor was to start from Sonepur. … (*Interruptions*)

उपाध्यक्ष महोदय : केवल आचार्य जी की स्पीच रिकार्ड होगी, बाकी किसी की बात रिकार्ड में नहीं जाएगी।

… (*Interruptions*)

SHRI BASU DEB ACHARIA : It has been stated in the Budget speech, that it will start from Sonepur. How has it been shifted from Kolkata? … (*Interruptions*)

The third problem is this. Previously there were two terminals in Kolkata. Only a few days back, one new terminal was inaugurated, called 'Calcutta Terminal'. Another terminal is sanctioned 20 years back, but it has not been made fully conventional. Kolkata needs another terminal. There is a proposal to have a new terminal at Majerhat. … (*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Thank you, Mr. Acharia. Now, Shri Lalu Ji.

… (*Interruptions*)

SHRI BASU DEB ACHARIA : We would like to know what happened to the next terminal. It is necessary. … (*Interruptions*)

The hon. Minister was kind enough to issue orders in regard to one steam loco shed. … (*Interruptions*)

उपाध्यक्ष महोदय : लालू जी, आप बोलिए, बाकी माननीय सदस्य अपनी स्पीच ले कर दें।

SHRI BASU DEB ACHARIA : I would like to know from the hon. Minister as to what happened to that. … (*Interruptions*)

उपाध्यक्ष महोदय : लालू जी, आप बोलिए, बाकी माननीय सदस्य अपनी स्पीच ले कर nå[R26]।

SHRI BASU DEB ACHARIA: Why not such a single worker has so far been absorbed?… (*Interruptions*

उपाध्यक्ष महोदय : आचार्य जी, रिमेनिंग पार्ट आप ले कर सकते हैं।

SHRI BASU DEB ACHARIA : You have seen the anger of the Members from West Bengal on extension of… (*Interruptions*)

श्री मोहन रावले : उपाध्यक्ष जी, मेरा मुम्बई के बारे में एक पाइंट है…(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आप भी अपनी स्पीच ले कर सकते हैं।

श्री मोहन रावले : मेरा एक ही पाइंट है। हिन्दुस्तान में सब से ज्यादा सबरबन रेल में यात्रा करने वाले मुम्बई में होते हैं। खासतौर पर सैंट्रल और वैस्टर्न रेल से लाखों डेली कम्यूटर्स हैं। मेरी रेल मंत्री जी से प्रार्थना है कि मुम्बई सबरबन रेल के लिये ज्यादा फंड्स दें।…(व्यवधान)

श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा अध्यक्ष महोदय, मेरे क्षेत्र की निम्न समस्यायें हैं जिनका निराकरण कराने का कट करें

1. उद्योग नगरी एक्सप्रेस एवं कुर्ला एक्सप्रेस का उरई स्टेशन पर स्टाप होना चाहिये क्योंकि यहां से झांसी व कानपुर का काफी ट्रैफिक मिलता है।

2. उरई स्टेशन पर दिन की गाडियों में स्लीपर टिकट की व्यवस्था होनी चाहिये।

3. दिल्ली से उरई के लिए कोई सीधी ट्रेन नहीं है अतः दिल्ली से झांसी होकर कानपुर इलाहाबाद लिए ट्रेन चलायी जाये।

4. उरई स्टेशन का प्लेटफार्म ऊंचा होना चाहिये क्योंकि नीचे होने की वजह से कई दुर्घटनायें घटित हो चुकी हैं।

5. उरई स्टेशन पर वी.टी.एस टिकट प्रणाली की सुविधा होनी चाहिये।

6. उरई स्टेशन पर प्लेटफार्म के ब्रिज की निकासी बाहर से होनी चाहिये ताकि बस्ती के नागरिक सीधे बाहर निकल सकें।

7. उरई में राठ रोड पर रेलवे फाटक को डबल करा दिया जाये ताकि शहर के ट्रैफिक में जाम न लगे तथा गाडी भी विलंबित न हो।

8. झांसी कानपुर रेल लाइन का दोहरीकरण होना चाहिये ताकि यात्रा में अनावश्यक विलंब न हो।

---

*The speech was laid on the Table.

श्री रामदास आठवले उपाध्यक्ष जी, मुझे समय दीजिये।

उपाध्यक्ष महोदय : आप अपनी स्पीच ले कर सकते हैं। अभी मंत्री जी बोलेंगे। उसके बाद आप ले कर सकते हैं।

श्री रामदास आठवले : उपाध्यक्ष जी, मैं रेल मंत्री श्री लालू प्रसाद जी का समर्थन करने के लिये अपनी पार्टी की ओर से खड़ा हूं। हालांकि मेरी पार्टी छोटी है लेकिन उसका दिल बहुत बड़ा है। मैं ज्यादा वक्त नहीं लेना चाहता हूं।

यू.पी.ए. की चेयरपरसन और डा. मनमोहन सिंह जी ने

लालू जी को रेल मंत्री का पद दिया,

जिसे इन्होंने बहुत अच्छी तरह से चलाया है,

इन्होंने खादी, कुल्हड़ को रेल के साथ मिलाया,

और अच्छे काम करके विपक्षी दलों को जलाया,

लालू जी की, अगर कोई रोक देगा रेल,

तो हम उन्हें भेज देंगे तिहाड़ जेल,

लालू जी की बहुत सेफ चल रही है मेल, ... *

उपाध्यक्ष महोदय : आठवले जी, आपका भााण रिकार्ड पर नहीं जा रहा है। आप बैठ जायें। जब आपका नाम लिया जाता है, तब आप हाउस में हाज़िर नहीं रहते हैं। श्री लालू प्रसाद जी आप अपना भााण शुरु करें।

****श्री रामदास आठवले :** अध्यक्ष महोदय, 1 अप्रैल, 1847 में बोरीबंदर, मुंबई से ठाणे 34 कि0मी0 तक भाप का इंजन चला था धानू की पटरी थी। 21 तोपों की सलामी देकर पहली रेल शुरू हुयी।

31 मार्च,2005 के दिन की स्थिति - 2.22.379 माल डिब्बे, 42,441 सवारी डिब्बे, 08910 इंजन, 09550 सवारी गाड़ियां, 07151 स्टेशन, 1.6 मिलीयन टन मात्र, 15.00 मिलियन यात्री, 16.00 जोनल, 67 डि वीजन।

सोनिया ने आपको रेल मंत्रालय दिलाया। दो साल में आपने रेल विभाग अच्छा चलाया। आपने खादी और कुल्हड़ को रेल के समक्ष मिलाया। भाड़ा न बढ़ाकर आपने विपक्षी दलों को जलाया।

* Not Recorded

** The speech was laid on the Table.

लालू की अगर कोई रोक देंगे रेल

तो हम उनको भेज देंगे तिहाड़ जेल,

लालू की बहुत तेज चल रही है मेल,

इसलिए यहां बंद हो गया है एनडीए का खेल।

रेलवे स्टेशन पर अब वडा और चाय मिल रहा है गरम

इसलिए बीजेपी वाले पड़ गये नरम

लालू पूरा कर रहा है अपना धरम,

... *

अब तो लालू की चाय पिओ गरम गरम

तुम भी पूरा करो अपना धर्म।

लालू जी अपनी दोस्ती क्या काम की

खाली ओ दिख रही है नाम की,

बीजेपी को दोस्ती मंहगी पड़ेगी राम की,

अब तो लालू के सथ बात करो काम की।

रेलवे बजट के आपके उत्तर में मेरे पंढरपुर क्षेत्र के निम्न वियों का विचार किया जाये।

1. लातूर-मिरज ब्राडगेज के लिए ज्यादा पैसा दिया जाये।

2. पंढरपुर से मुंबई चंद्रभगा एक्सप्रेस सप्ताह में दो दिन चलती है उसे सप्ताह में सात दिन चलना चाहिए।

3. कुर्डवाडी में मीटरगेज का वर्कशॉप है1 सभी जगह पर ब्राडगेज हो रही है इसलिए इस वर्कशाप को ब्राडगेज में कन्वर्ट करके वैगन का वर्कशाप किया जाये।

4. पंढरपुर से वाराणसी और पंढरपुर से तिरूपती, पंढरपुर से नागपूर में तीन नयी ट्रेने शुरू की जायें।

5. मुंबई-कोल्हापुर महालक्ष्मी एक्सप्रेस में आधा फस्ट ए.सी का डिब्बा होना चाहिए।

6. मुंबई में लोकल ट्रेनों की संख्या बढ़ायी जाये। लोकल ट्रेनों को चार ट्रेक और बाहर की ट्रेनों के लिए अलग दो ट्रैक हों।

7. मुंबई के सभी स्टशनों का नवीनीकरण हो।

---

* Not Recorded.

प्रो. एस.पी.सिंह बघेल अध्यक्ष महोदय, मैं रेल बजट पर अपनी बात कहना चाहता हूं। महोदय, मेरी लोक सभा जलेसर के टून्डला स्टेशन पर शताब्दी दिल्ली लखनऊ रोकी जाये क्योंकि आगरा पर्यटन की दृटि से एक महत्वपूर्ण शहर है। देशी विदेशी लाखों पर्यटक आते हैं। आगरा की जनता लखनऊ जाने के लिए टून्डला स्टेशन से ट्रेन पकड़ती है।

टून्डला तथा उसके आसपास जैन धर्म को मानने वाले लाखों लोग निवास करते हैं जो शिखर जी के दर्शन करने जाते हैं। अतः टून्डला स्टेशन पर नीलांचल एक्सप्रेस रोकी जाये।

महोदय, मुझे विश्वस्त सूत्रों से ज्ञात हुआ है कि बरहन एटा लाइन जिस पर ट्रेन चलती है उसे घाटे में चलने का बहाना बनाकर स्थायी रूप से बंद करने जा रही है। महोदय, यदि इस वन इ.वी.टी., टू इ.वी.टी., थ्री इ.वी.टी एवं फोर इ.वी.टी को बंद कर दिया जायेगा तो क्षेत्रीय जनता को बहुत परेशानी होगी, यह गाडी कतई बंद नहीं की जानी चाहिये।

महोदय, एटा से कासगंज क्षेत्र 30 कि0मी0 की दूरी पर है यदि एटा से कासगंज 30 कि0मी0 रेल लाइन बन जायेगी तो एटा, आगरा, बदायूं, बरेली आदि क्षेत्रों की जनता को बहुत लाभ होगा। महोदय, कृपया एआ से कासगंज 30 कि0मी0 रेल लाइन बनवाने का कट करें।

महोदय, मेरा निवेदन है कि आगरा फोर्ट रेलवे स्टेशन तथा टून्डला स्टेशन का सौन्दर्यीकरण किया जाये। महोदय, आगरा इटावा लाइन तथा गुना इटावा लाइन तथा इटावा मैनपुरी लाइन पर धन ज्यादा आबंटित किया जाये ताकि अधूरा कार्य शीघ्र पूरा किया जा सके।

महोदय, मेरा निवेदन है कि आगरा विश्व का एक महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल ताज महल की वजह से ही आगरा से गुजरने वाली केवल चैन्नई राजधानी रूकती है कृपया आगरा से गुजरने वाली प्रत्येक राजधानी रोकी जाये।

महोदय, मेरी लोक सभा में जलेसर रोड रेलवे स्टेशन है जहां रेल का फाटक है दिल्ली-हावड़ा रेल लाइन एक व्यस्ततम रेल लाइन होने के कारण फाटक घंटे भर तक बंद रहता है, जिसमें वाहनों को अनेक परेशानी होती है। अतः जलेसर रोड स्टेशन का मानिकपुर में ओवर ब्रिज बनाया जाये। महोदय, इसी प्रकार टून्डला स्टेशन के पूर्वी एवं पश्चिम केबिन का रेल फाटक बंद होने के कारण घंटों प्रतीक्षा करनी पड़ती है। अतः महोदय टून्डला स्टेशन के पूर्वी अथवा पश्चिमी रेल फाटक में से पश्चिमी फाटक पर ओवर ब्रिज बनाया जाये। महोदय, आगरा से हजारों पर्यटक आते हैं। अतः आगरा रूकने वाली प्रत्येक रेल से आरक्षण कोटा आगरा में फिक्स किया जाये।

---

*The speech was laid on the Table.

महोदय, मेरा आपके माध्यम से रेल मंत्री से निवेदन है कि टून्डला के पास काला हैकुर गांव है जहां मैं सांसद निधि से सड़क बनाना चाहता हूं, किंतु उसी मार्ग पर रेल की पाइप लाइन जो खारिज है, जमीन के नीचे होने के कारण सड़क नहीं बनायी जा सकती। अतः वह अनुपयोगी पाइप लाइन को शीघ्र उखड़वाया जाये ताकि गाला हैकुर की सड़क टून्डला से बनायी जा सके।

महोदय, माननीय रेल मंत्री महोदय से मेरा निवेदन है कि प्रत्येक सुपर फास्ट तथा एक्सप्रेस ट्रेन में जनरल बोगी कम से कम चार जोड़ी जाये ताकि गरीब लोगों की परेशानी दूर की जा सके।

महोदय, मेरी लोक सभा के जलेसर रोड स्टेशन पर कालका नार्थ ईस्ट रोकी जाये।

महोदय, मेरी लोक सभा के बरहन जंक्शन पर पुरी कटिहार तथा संगम एवं कालका एक्सप्रेस को रोका जाये ताकि जनता को लाभ मिल सके।

महोदय, मेरा माननीय रेल मंत्री महोदय से निवेदन है कि टून्डला जलेसर रोड तथा बरहन स्टेशन पर कम्प्यूटर आरक्षण किया जाये।

महोदय, मेरा आपके माध्यम से रेल मंत्री से निवेदन है कि वाहन एम लाइन पर एक अन्य पैसेंजर ट्रेन और चलायी जाये तथा। महोदय आगरा से लखनऊ के लिये सुबह एक भी ट्रेन नहीं है। कृपया आगरा से लखनऊ के लिये प्रातः एक सुपरफास्ट ट्रेन चलायी जाये।

SHRI P. RAJENDRAN Thank you for the permitting me for raising the following issues. Sir I support the Railway Budget with some limitation as Kerala was totally ignored and I am compelled to protest on the steps of privatisation included in the Budget. MPs from Kerala have identified the urgent and genuine demands of Kerala. New train services from Bangalore, Bombay and Goa to Thiruvananthapuram and increasing of frequencies for Rajdhani Express – New Delhi – TVM and Sampark Kranti to TVM are premony request completion of ongoing and development works of doubling, electrification guage conversion and ROBs are the next.

The speech was laid on the Table.

रेल मंत्री (श्री लालू प्रसाद) : उपाध्यक्ष जी, मैं सभी दलों के उन तमाम सदस्यों के प्रति आभार प्रकट करता हूं जिन्होंने अपने राज्य और क्षेत्र के संदर्भ में विचार रखने के लिये भूख-प्यास की परवाह किये बिना सुबह से लेकर रात तक बैठे रहे। यह इस बात का प्रमाण है कि हमारे माननीय सदस्य अपने-अपने क्षेत्रों के प्रति एवं जनता के प्रति कमिटेड हैं और बहस में भाग लेते रहे। मैंने उन तमाम माननीय सदस्यों के सुझावों को नोट कर लिया है और मैं उन्हें आश्वस्त करना चाहूंगा कि भारतीय रेल सब की रेल है। सभी माननीय सदस्यों ने, चाहे नई रेल लाइनों के निर्माण का सवाल हो, सिंगल लाइन को डबल लाइन में बदलने का सवाल हो, रेलवे स्टेशन पर पैसेंजर्स अमैनिटीज़ देने का सवाल हो, रेलवे सुरक्षा का सवाल हो, समय पर गाड़ी आये-जाये या जनता को सुखद एवं सस्ती सुविधा देने का सवाल हो, सुझाव दिये cé[RB27]।

भारतीय रेल कोई मेरी बनाई हुई नहीं है। हम कोई अकेले बिहार के लिए मंत्री नहीं हैं। केन्द्रीय मंत्री होने के नाते और खासकर हमारे जैसे साधारण लोगों के जेहन में कहीं भी किसी के प्रति भेदभाव नहीं है और न किसी के प्रति कोई द्वेा है। पिछले दो दिनों में चिन्ता व्यक्त की गई कि भारतीय रेल डैथ बैड पर पड़ी हुई है। यह

हम सबके लिए चुनौती का विाय रहा है। हमारी अपनी सोच और समझ से तथा लाखों रेल अधिकारियों और कर्मचारियों के कंधे से कंधा मिलाकर चलने से भारतीय रेल बीमार बैड से उठकर आगे बढ़ चली है। हम आश्वस्त करना चाहते हैं कि जो भी पैसे का वितरण होता है, उसके लिए एक फार्मूला बना हुआ है। उसके तहत हम आगे चलकर आपसे बात करेंगे, चर्चा करेंगे, सबके सुझाव लेंगे। 20 सालों से विभिन्न राज्यों में ऑन गोइंग प्रोजेक्ट्स पड़े हुए हैं। जहां नकारात्मक बातें लिखी हुई थीं, फिर भी वे सैंक्शन हुए। वह सारा हमारे कंधों पर मिला और उसको पूरा करने के लिए अलग से 25000 करोड़ रुपये की आवश्यकता होगी। हमारे विद्वान साथी चिदम्बरम जी हमारे साथ बैठे हैं। हम उनसे बराबर संपर्क रखते हैं कि ज्यादा विलंब होने से इसमें राशि बढ़ती जाएगी। जो रेल बजट मैंने आपके माध्यम से पेश किया है, राट्र की सेवा में सभी वर्गों, तबकों और राज्यों पर हमने उसमें ध्यान दिया है। यह अंतिम बजट नहीं है, हमारी यूपीए सरकार का यह तीसरा बजट है। हमने इसे कीचड़ से निकालकर आगे खड़ा किया है। आगे जो भी बातें छूटी हुई हैं, जो भी आपके क्षेत्रों के मामले हैं, उन पर ज़रूर ध्यान रहेगा। आप सबसे मिल-जुलकर हमने रेलवे के सभी जनरल मैनेजर्स को निर्देश दिया था कि सभी माननीय सदस्यों की बैठक करके जो छोटी मोटी बातें हैं, माननीय सदस्यों को रेल भवन आना पड़ता है, हमें लिखकर देना पड़ता है, माननीय सदस्य के उन सुझावों पर अपने स्तर पर समाधान करें। माननीय सदस्य बाकी वाइटल बातें जरूर हमें लिखकर भेजें। माननीय सदस्यों के सुझावों पर वहीं डिसपोज़ल हो जाना चाहिए। मुझे खुशी है और माननीय सदस्य सहमत होंगे कि हमारे जनरल मैनेजर्स ने सभी जगह एमपीज़ की बैठक बुलाई थी। ...(व्यवधान)

श्री धर्मेन्द्र प्रधान (देवगढ़) : दो साल में एक बैठक बुलाई। ...(व्यवधान)

SHRI HARIN PATHAK (AHMEDABAD): For the first time, the meeting was convened by the DRM. It was an insult... (*Interruptions*)

श्री लालू प्रसाद : पाठक जी से मैं कहना चाहूंगा कि मेरे निर्देश का जहां भी उल्लंघन हुआ है, जैसा आप शिकायत कर रहे हैं, हम ज़रूर वहां खबर लेंगे और आगे से इस तरह की बातें नहीं हों और सब लोगों का ध्यान रखा जाए, मैं इसके लिए आपको आश्वस्त करना चाहता हूं।

महोदय, वर्ा 2005-06 का जो रेल बजट पेश किया गया है, उसकी देश भर में लोगों ने सराहना की है। इससे हमारा मनोबल बढ़ा है। चाहे गरीब आदमी हो या अमीर आदमी हो, किसान, मज़दूर या नौजवान हों, हमारे विकलांग लोग हों या जो कामकाजी महिलाएं हैं, माताएं हैं, बहनें हैं, चारों तरफ इस रेल बजट की धूम मची हुई है। ...(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Nothing is to be recorded.

(Interruptions) ...*

SHRI LALU PRASAD: Let me speak, please. I will look into it. महोदय, मैं सभी दलों के सदस्यों का भी आभार व्यक्त करता हूं। ये हमारी माननीया महिला सदस्या भी हैं[h28]। भले ही ये बीजेपी या

शिवसेना में हैं, लेकिन सभी लोगों ने सराहना की है और हमें इस बात का ध्यान दिलाया है कि हमारे क्षेत्र में जो भी काम पैंडिंग थे, उन्हें पूरा करने की तरफ ध्यान दिया है। भारतीय रेल को मुनाफे में लाने का काम शुरू हो गया है। हम रुके नहीं हैं। मुनाफे को हम और आगे बढ़ाने के लिए प्रयासरत् है और उम्मीद करते हैं कि आप सभी का तथा देश की महान जनता का सहयोग हमें मिलता रहेगा। हम जिस लाइन पर चल पड़े हैं, निश्चित ही हमारे प्रधानमंत्री और श्रीमती सोनिया गांधी का जो संकल्प है कि भारतीय रेल को सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंचाना है, वह पूरा होगा। हम ग्लोबलाइजेशन की तरफ बढ़ रहे हैं। भारतीय रेल के कर्मचारियों के पास दिमाग और हुनर है, कार्यदक्षता है, हम मेहनत करने वाले लोग हैं, तो दुनिया की चुनौती का मुकाबला करते हुए भारतीय रेल ऊंचाइयों तक ले जाएंगे। ऐसा कोई कारण नहीं है कि जब हम संकल्प कर लें और उसे पूरा न कर पाएं। निश्चित रूप से भारतीय रेल के इन्फ्रास्ट्रक्चर के साथ देश का विकास भी हो सकेगा। अगा देश की तरक्की करनी है, देश को आगे बढ़ाना है तो हमें रेल को आगे बढ़ाना होगा। निश्चित रूप से रेलवे राट्र का पावर हाउस है। रेलवे इन्फ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में हमारा संकल्प है, हमारी प्रतिबद्धता है कि तमाम इलाकों में, रिमोट एरियाज़ में, दूरदराज़ के इलाकों में रेल को

---

* Not Recorded.

पहुंचाना है। इसका हमने रेल बजट में प्रयास किया है। जो हमारी समझ है, उसके अनुरूप हम वायदा करते हैं कि हाथी के दांत दिखाने के लिए नहीं हैं। निश्चित रूप से जो बजट आया है, जिसकी सभी लोगों ने सराहना की है, जो हमारे मालिक हैं, जिनके वोट से हम जीतकर आते हैं, उनकी तरफ से और चारों ओर से सराहना हो रही है। ज्यादा सराहना होने से भी आदमी बैठ जाता है और निकम्मा हो जाता है, लेकिन हम इस सराहना को चुनौती के रूप में देखते हैं कि आज हमारी सरकार और रेल के ऊपर कोई दाग न आए। हमें रेल को आगे बढ़ाना है और इसी दिशा में हम आगे बढ़ रहे हैं। वर्ा 2005-06 और वर्ा 2003-04 के लिए अनुदान की अतिरिक्त मांगों पर चर्चा के लिए कुल-मिलाकर स्वीकृत प्रावधानों से कम खर्च हुआ है, लेकिन कुछ अनुदान की मांगों पर स्वीकृत प्रा वधानों से अधिक खर्च हुआ है। पिछले सत्र में सदन के समक्ष रखे गए लोक-लेखा समिति के प्रतिवेदन में इसके नियमन की सिफारिश की गयी है। चालू वर्ा के लिए 9149 करोड़ रूपये को पूरक मांगें मुख्यतः कैपिटल फण्ड के ज़रिए होने वाले कार्यों, डीज़ल की कीमत एवं यातायात में वृद्धि के कारण बढ़ी हुई ईंधन की लागत इत्यादि पर खर्च किया जा रहा है। वर्ा 2003-04 के दौरान हुए अतिरक्त खर्च, चालू वर्ा के लिए पेश की गयी पूरक मांगों का विस्तृत ब्यौरा संबंधित पुस्तकों में दिया गया है। बिना यात्री किराए बढ़ाए हुए, रेलवे को फायदा हुआ है। लोग चिंतित रहते थे। हमसे पहले जितने मंत्री हुए हैं, चाहे बिहार के आज के मुख्यमंत्री *(Interruptions)* ...* और पूर्व रेल मंत्री, सभी ने भाड़ा बढ़ाने का काम किया है। माल गाड़ी का भाड़ा बढ़ा, पैसेंजर गाड़ी का भाड़ा बढ़ा।

(Interruptions) ...*

उपाध्यक्ष महोदय : नाम प्रोसीडिंग में नहीं जाएगा।

श्री लालू प्रसाद : देश के तमाम लोगों को भाड़े का बोझ उठाना पड़ता था। भाड़ा बड़ने से अनाज का दाम, फर्टिलाइजर का दाम, एसेंशियल कोमोडिटीज का दाम, लोहे का दाम, सभी चीजें महंगी हो जाती हैं। सारा बोझ गरीब आदमी पर पड़ा है। जब हमारी सरकार बनी, तो हम लोगों ने संकल्प लिया कि भाड़ा नहीं बढ़ाएंगे। लोगों में चिंता था कि लालू यादव और हमारी सरकार भाड़ा बढ़ा देंगे। चूंकि हमारे सामने घाटा था, डॉ. रोकेश मोहन की रिपोर्ट हमारे और देश के सामने थी, इसलिए हम लोगों ने कहा कि हम भाड़ा नहीं बढ़ाएंगे और हमने पहले बजट में भी भाड़ा नहीं बढ़ाया था। लोग चर्चा करते थे, इस देश के महान अर्थशास्त्री और थिंक टैंक जो दिल्ली में बैठते हैं, कहते थे कि अगर भाड़ा नहीं बढ़ाया तो लालू रेल कैसे चलाएंगे। आज भाड़ा नहीं बढ़ा। तीसरे बजट में भी भाड़ा नहीं बढ़ाया गया, फिर भी हमारी भारतीय रेल आज चल रही है, मुनाफे में चल रही है[c29]।

---

* Not Recorded.

उपाध्यक्ष महोदय, हमने रिकॉर्ड तोड़ उपलब्धि हासिल की है। यह हमारे और देश के लिए अच्छी बात है। पं. जवाहर लाल नेहरू जी का एक अमर संदेश है जिसे हमें सदैव याद रखना चाहिए। उन्होंने कहा था कि-

> "हमारी आज की उपलब्धियां, दस्तक दे रहे अवसरों की ओर बस एक कदम मात्र है जहां कहीं ज्यादा विजय और उपलब्धि हमारा इंतजार कर रही है। क्या हमारे अंदर इतना साहस और समझदारी है कि भविय की चुनौती को हम स्वीकार करें और मौके को हाथ से न जाने दें।"

यह पंडित जी ने हमसे कहा था।

महोदय, कुछ सदस्यों ने आशंका व्यक्त की कि रेल का निजीकरण किया जा रहा है। कुल्हड़ और खादी के उपयोग को प्रोत्साहित करने की योजना को भुला दिया गया है। माननीय सदस्यों ने ऐसी आशंका जाहिर की और इस बजट पर हुई चर्चा में भी इन बातों को कहा गया और यह भी कहा गया कि इस बजट में आम आदमी को नजरअंदाज किया गया है। मैं पूरी जिम्मेदारी के साथ सदन को आश्वस्त करना चाहूंगा कि रेलवे का निजीकरण अथवा कर्मचारियों की छंटनी करने का हमारा कोई इरादा नहीं है और हमारी यू.पी.ए. सरकार और खासकर हम जिस दल से आते हैं और जिस पद पर हम बैठे हुए हैं, हम ऐसा कभी नहीं करेंगे। हमें लगातार काफी आशंका थी और देश के लोगों को भी इस बात का तब विश्वास हो गया था, जब रेलवे की हालत खराब थी। केन्द्र सरकार जिस प्रकार से देश के सरकारी उपक्रमों को औने-पौने दामों में बेच रही थी, तब रेलवे को भी निशाना बनाया गया था। इतना बड़ा हमारा रेलवे का नैटवर्क है। हमारी आधारभूत संरचना की देश की जो धमनी रेल है, इस बारे में, मैं देश को आश्वस्त करना चाहता हूं कि इसे किसी भी कीमत पर निजी हाथों और परदेशियों के हाथों में नहीं जाने दिया जाएगा।

महोदय, जो हमारा काम है और जो हमने काम किया है, उसमें जब देश के निजी ट्रेडर्स की बात होती हैं या जैसे कंटेनर कॉर्पोरेशन की जब चर्चा होती है, तो हमेशा कुछ न कुछ कहा जाता है। मैं इस संबंध में बताना चाहता हूं और सभी की जानकारी में लाना चाहता हूं कि जो देश के व्यापारी हैं, जो ट्रेडर्स हैं, हमारी रेल है, वह कंटेनर कॉर्पोरेशन की मौनोपोली को तोड़ने का हम काम कररहे हैं। इसमें हमें उम्मीद से भी कम नफा हो रहा था। इसलिए हमने उसमें व्यापारियों का इस्तेमाल करने के लिए कहा है। हम किसी भी कीमत पर भारतीय रेल को निजी हाथों में, परदेशी हाथों में या मल्टीनैशनल कंपनियों के हाथों में नहीं जाने देंगे। यू.पी.ए. सरकार के रहते हुए यह नामुमकिन बात है।

महोदय, कुछ माननीय सदस्यों की ओर से कहा गया है कि रेलवे में कुल्हड़ और खादी का उपयोग उतना नहीं हो रहा है जितना कि होना चाहिए। मैं कहना चाहता हूं कि उनका ऐसा कहना गलत है। वर्ा 2004-05 में रेलवे ने लगभग 3 करोड़ रुपए के कुल्हड़ खरीदे थे और वर्ा 2005-06 में 5 करोड़ रुपए के कुल्हड़ खरीदने की संभावना है। इसी प्रकार वर्ा 2004-05 में 30 करोड़ रुपए के खादी के वस्त्र खरीदे गए थे। हमने खादी का कपड़ा खरीदा है। गांधी बाबा ने कहा था कि खादी आजादी की वर्दी है। इससे रोजगार मिलेगा। हम चाहते हैं और माननीय प्रधान मंत्री जी से भी हम आग्रह करेंगे कि जिस तरह से भारतीय रेल खादी का उपयोग कर रही है उसी प्रकार से केन्द्रीय सरकार के सारे कार्यालयों में खादी के वस्त्रों का प्रयोग हो, करटेन आदि की खरीद हो। इससे हम आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ेंगे। इसलिए रेलों में खादी अथवा कुल्हड़ों का उपयोग नहीं हो रहा है, यह कहना बिलकुल बेबुनियाद है। चालू वर्ा में खादी के वस्त्रों की 35-40 करोड़ रुपए की खरीद की जाएगी। रेलवे ने पहले जो मिलों का कपड़ा खरीदा हुआ था, उसका स्टॉक था, पहले उसे खपाने को कहा है। इसके साथ-साथ हमने यह भी कहा है कि आगे जो भी खरीद होगी, वह खादी की ही खरीद होगी। इसीलिए माननीय सदस्य आप देखते होंगे कि कहीं-कहीं मिल के कपड़े का प्रयोग हो रहा था। हमने उसे जल्दी से जल्दी खत्म कर दिया है और अब हमने कहा है कि बिस्तर, चादर, बैड कवर, पिलो कवर का सब जगह इस्तेमाल होना चाहिए।

महोदय, पिछली सरकारों ने साल-दर-साल यात्री किराया बढ़ाकर गरीब जनता पर बोझ डाला। जब भी कोई बात होती, बस एक बात होती थी कि किराया बढ़ा दो। किराया बढ़ा-बढ़ा कर गरीब जनता को बोझ के तले दबा दिया। एन.डी.ए. की सरकार के समय रेलवे की हालत बहुत खस्ता थी। उसे हमने उस स्थिति से उबारने का काम किया है। इसलिए मैं कहना चाहूंगा और I invite all of you especially the NDA brothers and hon. Members……. (*Interruptions*)

उपाध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्यों से कहूंगा कि-

"पूछिए मुझ से अब सवाल नए

लेकर आया हूं मैं जवाब नए

तुम तो कांटे बिछा के निकले थे

मैं खिला रहा हूं गुलाब नए[rpm30]"

...(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Except the speech of Shri Lalu Prasad nothing will be recorded.

(Interruptions) ...*

श्री लालू प्रसाद : उपाध्यक्ष महोदय, हमारे बजट के केन्द्र में आम आदमी है, कॉमन पीपल है, जबकि यहां कहा गया कि आम आदमी को नजरअंदाज किया गया है। आपको याद होगा कि मुम्बई की सब-अर्बन ट्रेन, कोलकाता की सब-अर्बन ट्रेन, देश भर की लोकल पैसेंजर ट्रेनें, जनसाधारण एक्सप्रैस ट्रेनें और लम्बी दूरी की एक्सप्रैस ट्रेनों में इस बजट के पहले हमने एक रुपया भाड़ा कम किया था। कोलकाता और मुम्बई सब-अर्बन ट्रेनों में हम घाटे में चलते हैं, लेकिन फिर भी हमने भाड़ा कम किया था। इससे प्रमाणित होता है कि हमारे केन्द्र में आम आदमी है और इससे यह भी प्रमाणित होता है कि हमने यात्री किराया बढ़ाने के बजाय घटाया। गरीब-अमीर का फर्क मिटाने, समाज में समरसता घोलने के लिए मैंने फुल्ली ए.सी. गरीब रथ चलाने की घोाणा की है। इस ट्रेन का किराया आम आदमी की पहुंच के अंदर रखा जाएगा, जिससे आम आदमी की पूरी ए.सी. ट्रेन में सफर करने की तमन्ना पूरी हो सकेगी। अभी चार जगह, पायलट बेसिस पर यह सेवा शुरू की जा रही है। इस सेवा के सफल होने पर सभी राज्यों की राजधानियों को आपस में जोड़ने के लिए, एक राज्य की राजधानी से दूसरे राज्य की राजधानी तक, फुल्ली एयरकंडीशंड गरीब रथ सेवा शुरू की जाएगी। आम आदमी के हित को केन्द्र में रखते हुए रेलवे के ऐतिहासिक कायाकल्प के संदर्भ मैं मैं कहना चाहूंगा कि-

" बीत गए दिन पतझड़ के

बसंत से लदकर रेल चली,

गरीब रथ जब चला शान से

उम्मीदें उसकी परवान चढ़ीं "

महोदय, गरीब परवान चढ़ चुका है। उसमें हीन भावना समाप्त हो चुकी है और अब उसमें यह भावना पैदा हो रही है कि भारतीय रेल हमारी भी है और सस्ती दर पर, जब गरीब ए.सी. रेल में सवारी करेगा, तब धूल-

धक्कड़ खाने वाला, इस देश का गरीब-गुरवा आदमी यह महसूस करेगा कि अब हमारे देश में भेदभाव का जमाना लद चुका है। यह एक मैसेज है, जिसे हमने देने का काम किया है।

महोदय, कई माननीय सदस्यों द्वारा आशंका व्यक्त की गई है कि रेलगाड़ियों की नई सेवाओं और ि वस्तार में देश के कुछ भागों को ही प्राथमिकता दी गई है और बाकी सबकी उपेक्षा की गई है। इस र्वा 55

---

* Not Recorded.

जोड़ी नई गाड़ियां घोाति की गई हैं। आपने कहा कि हम सब रेलगाड़ियों को बिहार ले गए। मैं बताना

चाहता हूं कि नई रेलगाड़ियों में आना और जाना, दोनों मिलाकर 110 नई सेवाएं उपलब्ध होंगी। इनमें से 20 उत्तर दिशा में, 24 दक्षिण दिशा में, 39 पूर्व दिशा में, 14 पश्चिम की तरफ और 13 मध्य क्षेत्र में रहेंगी। ...(व्यवधान)

कृपया मेरी पूरी बात सुन लीजिए। 24 गाडियों के फेरों में वृद्धि से देश के सभी क्षेत्रों को लाभ होगा। हमने प्रयास किया है कि रेल सभी स्थानों एवं सभी वर्गों के लोगों के लिए सुलभ हो। मैं सदन को आश्वस्त करना चाहता हूं कि नई गाड़ियों की बढ़ती हुई मांग को पूरा करने के लिए हम हर संभव कोशिश करेंगे और यह हमारी ड्यूटी है। हम सर्वे करेंगे और जहां भी हमें ट्रैफिक ज्यादा मिलेगा, वहां ज्यादा से ज्यादा रेलों के विस्तार का प्र ायास करेंगे। हम भविय में किसी भी राज्य को नाराज नहीं करेंगे क्योंकि इससे हमारी आमदनी में वृद्धि होगी।

महोदय, बिहार से रेल चलती है, तो ये लोग चर्चा करते हैं कि लालू यादव ने, बिहारियों ने कुछ नहीं किया, आलोचना करते थे कि "Bihar is rich but Biharis are poor" माननीय नेता विरोधी दल, श्री अटल जी और अन्य तमाम लोगों का आरोप था कि बिहार में इन्फ्रास्ट्रक्चर का कोई नामोनिशान नहीं है। मैं बताना चाहता हूं कि हम बिहार के लोग दौलत पैदा करते हैं। हम बिहार के लोग, चाहे पूना, हो, सूरत हो, पंजाब हो, मुम्बई हो, तिनसुकिया हो, डिब्रूगढ़ हो या गुवाहाटी हो, जहां भी जाते हैं, वहां दौलत पैदा करते हैं। इस बात के साक्षी आज सभी माननीय सदस्यगण हैं कि जहां भी बिहारी जाते हैं वहां इतनी मेहनत-मशक्कत करते हैं कि वहां धन-संपदा में अपार वृद्धि होती है। हमने असम में जंगलों को साफ किया और उसे हम समृद्धि की ओर ले गए हैं[rpm31]। हम चायबागान में जाते हैं, हमारे बिहार के लोग राणा जी के यहां जाते हैं, राणा जी के यहां जाकर...(व्यवधान)

श्री काशीराम राणा (सूरत) : आप बिहार से ट्रेन शुरू करें, लेकिन सूरत है, बड़ौदा है, अहमदाबाद है, वहां तक ले जाओ।...(व्यवधान)

श्री लालू प्रसाद : वहां पर ले जा रहे हैं। आपने भी कहा था कि हमारे यहां बिहार के आदमी बहुत हैं, ट्रेन भेजो। अगर आपका हुक्म हो, आपका अगर मेण्डेट हो जाये तो *(Interruptions)** ...

ने कहा है कि हम एक भी बिहारी को अब बाहर नहीं जाने देंगे और यहीं पर सब को रोजी-रोजगार देंगे। हम ऐलान करना चाहते हैं कि आप *(Interruptions)** ... को तैयार करिये, हम सारी ट्रेनों को लौटा देंगे और जितने भी हमारे मजदूर बाहर चले गये हैं...(व्यवधान)

* Not Recorded.

उपाध्यक्ष महोदय : जो नाम आया है, उसे हटाया जाये, because he is not present in the House.

...(व्यवधान)

श्री लालू प्रसाद : यह बात साफ होनी चाहिए, यह आप लोगों ने कहा है। सुनिये, ललन जी।

श्री राजीव रंजन सिंह 'ललन' (बेगूसराय) : उपाध्यक्ष महोदय, ट्रेन में बिहार के मजदूर ही नहीं चलते, उन पर यात्री भी चलते हैं, केवल मजदूर थोड़े ही चलते हैं।...(व्यवधान)

श्री लालू प्रसाद : एन.डी.ए. की सरकार हर आदमी को काम देने के लिए, रोजी-रोजगार देने के लिए तैयार हो जाये। आप रोजगार दीजिए...(व्यवधान) ललन जी सुनना चाहिए। बाद में सब आयेगा, क्यों मुंह लगाते हो। जो सच है, यथार्थ है, उसको मानना चाहिए। आपने कहा है।...(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Laluji, please address the Chair.

... (*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Please address the Chair.

श्री लालू प्रसाद : महोदय, हम लोगों के ऊपर आरोप है, दूसरों के ऊपर कि ये लोग पलायन कर गये हैं, मजदूर पलायन कर गये हैं...(व्यवधान) देखिये, स्वाईं जी, आपकी बात हमने बहुत धैर्य से सुनी। हमने रात को आपको पूछा, इन्वाइट भी किया कि बोलिएगा कि नहीं। आपने कहा कि आपने उड़ीसा को इतना दिया है, अब हम लोगों की बोलने की क्षमता नहीं है। इसलिए नहीं दिया...(व्यवधान)

श्री खारबेल स्वाईं (बालासोर) : आप दूसरों का भाण सुनकर मेरा नाम ले रहे हैं। कोई दूसरा बोला होगा, मैं नहीं बोला।...(व्यवधान)

श्री लालू प्रसाद : अच्छा बैठिये। आपके पास उड़ीसा के बारे में भाण करने के लिए, बोलने के लिए कुछ बचा ही नहीं। इसलिए मैं सदन में जिम्मेदारी के साथ बोलना चाहता हूं कि बिहार से पलायन कर गये हैं, यह बात जो लोग बोले हैं, हम पावर से बेपावर हो गये तो हम जितने भी बिहार के मजदूर बाहर हैं, हम उनको फ्री रेल में लौटा देंगे, लेकिन रोजगार की गारण्टी वहां पहले करो। बाकी जो रेल होगी, हम इन्हीं लोगों को दे देंगे।

बजट में अब जहां कम होगी, गाड़ी हम देंगे, इसमें कहीं दो राय है कि हम गाड़ी नहीं देंगे? ...(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Laluji, please address the Chair

श्री लालू प्रसाद : महोदय, रेलवे परियोजनाओं के लिए निधियों के वितरण के बारे में भी कुछ माननीय सदस्यों ने आशंका व्यक्त की है। इसमें राज्य का सुधार फार्मूला बेस पर होता है, असल में ओन गोइंग, जो पुराने प्रोजैक्ट्स हैं, मैंने बताया है हम खुद इस पर एम्फेसिस कर रहे हैं कि 25 हजार करोड़ रुपया, जो भी सरकार आई, चाहे पोलिटिकल कंसीड्रेशन से या जनहित में सैंक्शन हो गया। 500 करोड़ रुपये का प्रोजैक्ट है, उसे दो करोड़ रुपये, तीन करोड़ रुपये या पांच करोड़ रुपया दिया जाता है। इसलिए हम चाहते हैं कि चाहे कर्जा हमको लेना पड़े या हमारी मदद वित्त मंत्री चिदम्बरम जी कर देंगे तो ये पूरे प्रोजैक्ट्स जो ऑन गोइंग हैं, जो ले लिये गये थे, उनको कैंसिल करने से लोगों में डिप्रैशन भी होगा, यह सच्चाई मैं आपके सामने रखना चाहता हूं, हम देख रहे हैं कि इनको खत्म कर दिया जाये। दोहरीकरण एवं विद्युतीकरण की योजनाओं को छोड़कर अन्य परियोजनाओं के लिए बजटीय सहायता राशि का वितरण राज्यों के बीच प्रचलित फार्मूले के आधार पर किया गया है। इसके अलावा चार महापुलों के निर्माण हेतु बजटीय सहायता में से 500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। रेल विकास निगम द्वारा क्रियान्वित की जा रही योजनाओं के लिए 1750 करोड़ रुपये के प्रावधान किये गये हैं। इसमें से 750 करोड़ रुपये की व्यवस्था बजटीय सहायता से, 500 करोड़ रुपये कैपिटल फंड से एवं 500 करोड़ रुपये बाजार से ऋण लेकर की जाएगी। इसके अतिरिक्त थ्रूपुट संवर्धन योजनाओं को त्वरित गति से पूरा करने के लिए कैपिटल फंड के माध्यम से भी 1600 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इस र्वा से दोहरीकरण योजनाओं के लिए पूरी की पूरी राशि की व्यवस्था कैपिटल फंड से की गई है। महोदय, मैं सदन को आश्वस्त करना चाहूंगा कि थ्रूपुट संवर्धन, यात्री सुविधा जैसे कार्यों के लिए धनराशि की कमी नहीं होने दी जाएगी और साल के दौरान योजना की प्रगति के अनुसार आवश्यक अतिरिक्त राशि उपलब्ध कराई जाएगी।[i32]

महोदय, यहां मैं विशेा रूप से राट्रीय परियोजनाओं यथा उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला, कुमारघाट-अगरतला, जिरीबाम-इम्फाल रोड़ नई लाइनें एवं लमडिंग-सिलचर-जिरीबाम आमान परिवर्तन के लिए धन की व्यवस्था के बारे में उल्लेख करना चाहूंगा। चालू र्वा के दौरान इनके लिए 1165 करोड़ रूपये का परिव्यय उपलब्ध

कराया गया है। अगले वर्ा इन परियोजनाओं के लिए 2092 करोड़ रूपये की आवश्यकता पड़ेगी। वर्ा के दौरान प्र गति के आधार पर वित्त मंत्रालय द्वारा राशि उपलब्ध करायी जाएगी।

महाराट्र के मुख्यमंत्री एवं अनेक माननीय सदस्यों ने मुबई महानगर में और अधिक सेवाएं उपलब्ध कराने का मुझसे अनुरोध किया है। श्रीमती भावना गवली ने पूर्णा-अकोला के लिए और राशि बढ़ाने का अनुरोध किया था। हम महिला सांसदों को टॉप प्रायरिटी देते हैं। इनको हमने बुलाकर इनकी मांगों को लिखा लिया था। ये बहुत अच्छा भाण करती हैं। ये बिलासराव जी के स्टाइल में भाण देती हैं।

महोदय, श्री बासुदेव आचार्या के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने बोरीवली से वरार के बीच नयी सेवा शुरू करने हेतु एक लाख से अधिक व्यक्तियों द्वारा हस्ताक्षरित एक ज्ञापन मुझे सौंपा है। जनभावना की कद्र करते हुए हमने वर्ा 2006-07 में मुंबई में लगभग 40 नयी उपनगरीय सेवाएं उपलब्ध कराने एवं लगभग 70 नौ डिब्बों वाली सेवाओं को 12 डिब्बों की सेवाओं में परिवर्तित करने का निर्णय लिया है। इससे बोरीवली-विरार सेक्शन सहित समस्त मुबई उपनगरीय सेवा के दैनिक यात्रियों को लाभ होगा। उस पर स्पेशल गाड़ी भी चलायी जाएगी। उस पर हमारा विशे ध्यान है, क्योंकि वहां पर बहुत दिक्कत हो रही है।

महोदय, बजट भाण में मैंने 22 हजार करोड़ रूपये की अनुमानित लागत पर पश्चिमी और पूर्वी मार्गों पर समर्पित फ्रेट कॉरिडोर बनाने की घोाणा की थी। वामपंथी सहयोगियों के विशे अनुरोध पर ही मैंने कोलकाता के निकट अवस्थित बंदरगाहों की ओर जाने वाले मार्ग को पूर्वी कॉरिडोर से जोड़ने का निर्देश दिया था, जिसका उल्लेख मैंने अपने बजट भाण में किया था। कोलकाता पोर्ट ट्रस्ट द्वारा डायमंड हारबर का विस्तार करने की योजना बनायी जा रही है, एवं सरकार द्वारा भी कंटेनर एवं पेट्रोलियम पदार्थों से भरे समुद्री जहाजों के लिए उ पयुक्त बंदरगाह बनाने पर विचार किया जा रहा है। सरकार की "लुक ईस्ट" नीति के तहत दक्षिण-पूर्वी एशिया के देशों एवं चीन, जापान इत्यादि के साथ आयात-निर्यात ट्रैफिक बढ़ने की संभावना है। बजट घोाणा के संदर्भ में वामपंथी सहयोगियों सहित पूरे सदन को मैं एक बार फिर आश्वस्त करना चाहूंगा कि पश्चिम बंगाल के हितों ि वशेाकर कोलकाता के निकट अवस्थित बंदरगाहों के विकास हेतु जरूरी रेल संरचना एवं फ्रैट कॉरिडोर के विकास हेतु सभी आवश्यक कार्रवाई बिना विलंब के पूरी की जाएगी। मैं बासुदेव दादा सहित सभी वामपंथी मित्रों से कहना चाहूंगा -"बने चाहे दुश्मन ज़माना हमारा, सलामत रहे दोस्ताना हमारा।" आप सभी को लाल सलाम।

महोदय, आंध्र प्रदेश के सभी राजनीतिक दलों के सांसदों ने राज्य में रेल नेटवर्क के विस्तार एवं ि वकास से संबंधित एक ज्ञापन मुझे दिया है। वर्ा 2006-07 के लिए राज्य का कुल परिव्यय 422 करोड़ रूपये रखा गया है, जो गत वर्ा की अपेक्षा काफी अधिक है। गूटी से रेनीगुंटा के दोहरीकरण के कार्य को तेजी से पूरा करने के लिए इस वर्ा 68 करोड़ रूपये की व्यवस्था की गयी है। मैं सदन को आश्वस्त करना चाहूंगा कि इस योजना के लिए धनराशि की कमी नहीं होने दी जाएगी। जगियापेट से मल्लाचेरुवू एवं विणुपुरम से जनपहाड़ तक नयी लाईन के निर्माण का प्रस्ताव योजना आयोग को स्वीकृति हेतु भेजा गया है। मैंने निर्देश दिया है कि इस योजना की स्- वीकृति हेतु आवश्यक कार्रवाई अगले एक माह में पूरी की जाए। धर्मावरम-पकाला आमान परिवर्तन के लिए भी कार्य की प्रगति के अनुसार अतिरिक्त राशि उपलब्ध करायी जाएगी। सांसदों की भावनाओं का सम्मान करते हुए

अंकलेश्वर से राजपीपला आमान परिवर्तन के प्रस्ताव को स्वीकृति हेतु योजना आयोग को भेज दिया गया है[c33][c34]।

दरभंगा से कुशेश्वर स्थान तक नई लाइन निर्माण के सर्वे का कार्य पूरा हो गया है। इस योजना की स्वीकृति के लिए भी प्रस्ताव योजना आयोग को भेजा जा रहा है। पनोली रेल ओवर ब्रिज के निर्माण के लिए तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग ने 50 प्रतिशत राशि उपलब्ध कराने के लिए अपनी स्वीकृति दी है। इस कार्य को अविलंब स्वीकृत करने का मैंने निर्देश दिया है। कई अन्य सदस्यों ने भी अपने क्षेत्रों में रेल ओवर ब्रिज के निर्माण का अनुरोध किया है। मैं सभी सदस्यों को आश्वस्त करना चाहूंगा कि संबंधित राज्य सरकार की 50 प्रतिशत राशि का वहन करने की सहमति प्राप्त होने के बाद बिना विलंब के स्वीकृति दी जाएगी।

केरल राज्य के सभी सांसदों ने बैंगलोर से त्रिवेंद्रम के बीच एक सुपर फास्ट गाड़ी चलाने, कुछ महत्वपूर्ण मार्गों का दोहरीकरण, विद्युतीकरण तथा आमान परिवर्तन की मांग की है। इनकी मांग बोनाफाइड और जायज है। There are certain difficulties, but I will look into it seriously. असम राज्य के सांसदों ने भी दुर्लभछरा-बराईग्राम तक आमान परिवर्तन के लिए सर्वे, काटाखाल-भैराबी आमान परिवर्तन के कार्य में तेजी लाने और न्यू मैनागुरी-जोगीघोपा नई लाइन के कार्य को तेजी से पूरा करने तथा असम में नए स्लीपर फैक्ट्री की स्थापना करने का अनुरोध किया है। मैं सदन को आश्वस्त करना चाहूंगा कि केरल एवं आसम के हितों को ध्यान में रखा जाएगा और सभी उपयुक्त मांगों पर समयवत कार्रवाई की जाएगी। People know the difficulty very well....(व्यवधान) आगे बताते हैं।...(व्यवधान) बैंगलोर-सत्यमंगलम नई लाइन वाया कनकपुरा, चामराजनगर एक स्वीकृत परियोजना है। इसमें बैंगलोर से चामराजनगर वाया कनकपुरा का फाइनल लोकेशन सर्वे हो चुका है तथा चामराजनगर से सत्यमंगलम के बीच जो कि जंगल का क्षेत्र है, सर्वे चल रहा है। इसके पूरा होते ही इस लाइन के निर्माण के लिए आगे की कार्रवाई की जाएगी। माननीय सांसदों के अनुरोध पर मैंने जेजो से श्री आनंदपुर साहिब वाया गढ़शंकर के बीच नई लाइन का सर्वे कराने का निर्देश दिया है। इससे ऐतिहासिक स्वर्ण मंदिर की नगरी अमृतसर एवं सिखों का प्रसिद्ध गुरुद्वारा आनंदपुर साहिब जुड़ जाएंगे। गोपालपुर-रायगढ़ रेल लिंक के निर्माण के लिए सर्वे कराने के लिए आदेश दिए गए हैं। हंसडिहा से गोड्डा तक नई लाइन के निर्माण के लिए सर्वे का कार्य तेजी से पूरा करने का निर्देश दिया गया है। अरुणाचल प्रदेश के माननीय सांसदों के अनुरोध को ध्यान में रखते हुए ही मैंने इस बजट में असम राज्य के मुरकोंग सेलेक से अरुणाचल प्रदेश के पासीघाट तक नई लाइन निर्माण के लिए सर्वे कराने का निर्णय लिया है।

महोदय, विकलांग व्यक्तियों का एक प्रतिनिधि मंडल मुझसे हाल ही में मिला था। मैं सदन के माध्यम से आश्वस्त करना चाहूंगा कि रेलवे द्वारा उनके हितों एवं सुविधाओं का पूरा ख्याल रखा जाएगा। भारतीय रेल में विकलांग व्यक्तियों की आवश्यकताओं के अनुरूप पार्किंग, रैम्प, शौचालय, पेयजल, नल इत्यादि चरणबद्ध तरीके से निर्मित किए जा रहे हैं। गाड़ियों में भी विकलांगों की जरूरतों का विशेा ख्याल रखते हुए 1,200 नए डिब्बे गाड़ियों में लगाए जा चुके हैं और शीघ्र ही सभी मेल एवं एक्सप्रेस ट्रेन में इन डिब्बों की व्यवस्था की जाएगी। अगर

स्टेशनों पर कोई विकलांग अंधा या बहरा है, हमारे जो भाई या बच्चे विकलांग एक नम्बर प्लेटफार्म पर बैठे रहते हैं और गाड़ी दो नम्बर प्लेटफार्म पर जाती है, उन्हें समझ में नहीं आता। इसलिए हम वह सिस्टम भी करने जा रहे हैं ताकि जो लोग आंख से देख नहीं पाते हैं, अगर गाड़ी दो नम्बर प्लेटफार्म पर शिफ्ट हो गई तो हम इलैक्ट्रॉनिक सिस्टम से उन्हें बताएंगे कि यह गाड़ी दो नम्बर प्लेटफार्म पर आएगी। उनके लिए और भी जो व्यवस्था है, वह हम करेंगे।

महोदय, माननीय सदस्यों द्वारा उठाए गए सभी मुद्दों का हमने संज्ञान लिया है। हमारे वरिठ नेता श्री हरिन पाठक ने एक वीकली नई ट्रेन आहमदाबाद से अमृतसर जनहित में चलाने की मांग की है[R35][R36]।

I will look into it seriously so that no hardship will be faced by the people.

हमारे माननीय सांसद श्री अशोक अर्गल तथा मध्य प्रदेश के अन्य माननीय सदस्य उत्तर मध्य रेलवे के मुरैना रेलवे स्टेशन पर आंदोलन कर रहे थे। उनकी मांग थी कि मुरैना रेलवे स्टेशन पर सचखंड एक्सप्रैस और कर्नाटक एक्सप्रैस का ठहराव किया जाये। अगर मध्य प्रदेश के सांसद सदन में बैठे हैं, तो मैं उनका बताना चाहता हूं कि हम वहां इनका ठहराव देंगे। लेकिन वहां यात्रियों को ध्यान देना पड़ेगा क्योंकि मुरैना एक बदनाम इलाका है। ग्वालियर से श्योंपुर कलां-कोटा तक आमान परिवर्तन की आवश्यकता पर हमारा ध्यान दिलाया गया है। इसे हम देख रहे हैं। ...(व्यवधान) हम सब प्वाइंट्स पर आ रहे हैं। ...(व्यवधान)

महोदय, हमारे उदयमान सांसद श्री नवीन जिंदल जी ने अपने भाषण में बहुत अच्छे सुझाव दिये हैं। हम उन सब सुझावों पर गंभीरता से विचार करेंगे। उनकी मांग है कि कुरुक्षेत्र को मॉडल स्टेशन के रूप में विकसित किया जाये। मैं माननीय सांसद श्री जिंदल जी को आश्वस्त करना चाहता हूं कि कुरुक्षेत्र पूज्य भूमि है। उस भूमि पर हम लोगों ने भगवान कृष्ण के नेतृत्व में लड़ाई भी लड़ी है। हम निश्चित रूप से कुरुक्षेत्र को मॉडल स्टेशन बनायेंगे।

माननीय सांसद श्री राम कृपाल यादव ने औरंगाबाद से लेकर बिहटा तक रेल लाइन बिछाने की मांग की है। हम इसे गंभीरता से देख रहे हैं। मगध एक्सप्रैस की तरफ भी हमारा ध्यान है। माननीय सांसद दुयंत सिंह जी ने राजस्थान राज्य की विभिन्न योजनाओं के विषय में, पर्यटकों के विषय में हमारा ध्यान आकृट किया है। मैं श्री दुयंत सिंह जी को आश्वस्त करना चाहता हूं कि हम माननीय मुख्य मंत्री राजस्थान से बात करेंगे और राजस्थान के लिए जो भी आवश्यक कार्रवाई होगी, उसे करेंगे। इस पर हमारा ध्यान है। हमारे दूसरे माननीय सांसद श्री अशोक प्रधान जी ने खुर्जा में डेडीकेटिड फ्रेट कॉरीडोर का टर्मिनल होने की मांग की है। ...(व्यवधान)

SHRI VARKALA RADHAKRISHNAN (CHIRAYINKIL): You have not mentioned about the extension and increasing the frequency of trains. ... (*Interruptions*)

श्री लालू प्रसाद : श्रीमती किरण महेश्वरी जी और सभी माननीय सदस्यों ने भी अपनी मांगें रखी हैं। ...(व्यवधान)

डॉ. राम लखन सिंह (भिंड) : भिंड छूट गया है। आप भिंड के बारे में बताइये। ...(व्यवधान)

श्री लालू प्रसाद : अभी हमारा उत्तर खत्म नहीं हुआ है। मैं सब बताऊंगा। ...(व्यवधान)

श्रीमती किरण माहेश्वरी (उदयपुर) : मंत्री जी, आपने हमारा नाम लिया है, लेकिन आपने क्या किया है, इस बारे में कुछ नहीं बताया। ...(व्यवधान)

श्री लालू प्रसाद : हमारी आपसे बात हो चुकी है। ...(व्यवधान)

श्रीमती किरण माहेश्वरी : आप अहमदाबाद आमान परिवर्तन के संदर्भ में थोड़ा प्रकाश डालिये कि इस बारे में आप क्या करने वाले हैं ? ...(व्यवधान)

श्री लालू प्रसाद : हम बिना फाइल देखे हुए कुछ नहीं बोलेंगे। अगर कुछ बोल दिया तो उलटा हो जायेगा। हम वह फाइल देख लेंगे। हमारी आपसे पास बात हो चुकी है।। ...(व्यवधान) मेरा उत्तर खत्म नहीं हुआ है, इसलिए आप बैठ जाइये। ...(व्यवधान) सभी माननीय सदस्यों को मैं अवगत कराना चाहता हूं कि राट्रपति महात्मा गांधी की कर्म भूमि मोतिहारी में, राट्रपिता महात्मा गांधी के नाम पर, गांधी बाबा के सम्मान में हम एक ट्रेन चला रहे हैं। ...(व्यवधान) हम उसे पोरबंदर तक भेज देंगे।

माननीय सदस्यों द्वारा जो बातें कही गयी हैं, उसे हमने अपने संज्ञान में ले लिया है। आप सब लोगों ने जितने सवाल उठाये हैं, उन सबको हम संज्ञान में लेकर ध्यान देंगे। मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि रेल बजट वर्ा 2006-07 के लिए ...(व्यवधान)

श्री भँवर सिंह डांगावास (नागौर) : आप क्या संज्ञान ले रहे हैं ? दो साल से मैं आपके पास आ रहा हूं। ...(व्यवधान)

श्री लालू प्रसाद : मैंने आपसे कहा था कि आपका काम हो जायेगा।

श्री भँवर सिंह डांगावास : वह काम कहां हुआ है ? ...(व्यवधान)

श्री लालू प्रसाद : अगर वह काम नहीं हुआ, तो हो जायेगा। आज यह फाइनल थोड़े ही हो रहा है[r37]।

मैं सदन से अनुरोध करता हूं कि रेलवे की आगामी 2006-07 के लिए लेखानुदान, चालू वर्ा 2005-2006 की पूरक मांगों और 2003-04 के लिए अनुदान की अतिरिक्त मांगों तथा इससे संबंधित विनियोग विधेयकों को अपनी स्वीकृति दीजिए। फिर जो छूटा हुआ काम है, उसे आगे बढ़ाएंगे। इतना कहकर मैं अपनी बात को समाप्त करता हूं।...(व्यवधान)

… (*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Please sit down.

श्री रतिलाल कालीदास वर्मा (धन्धुका) : आप यहां कम से कम आश्वासन तो दीजिए।…(व्यवधान)

श्री मोहन रावले (मुम्बई दक्षिण-मध्य) : उपाध्यक्ष महोदय, मुम्बई सबरबन रेल के लिए कुछ नहीं दिया है। मैं इसके विरोध में वॉक-आउट करता हूं।

13.56 hrs.

(Shri Mohan Rawle then left the House)

MR. DEPUTY-SPEAKER: I shall now put the Demands for Grants on Account (Railways) for 2006-07 to the vote of the House.

The question is:

"That the respective sums not exceeding the amounts shown in the third column of the Order Paper be granted to the President of India, out of the Consolidated Fund of India, on account, for or towards defraying the charges during the year ending the 31st day of March, 2007, in respect of the heads of Demands entered in the second column thereof against Demand Nos. 1 to 16. "

The Motion was adopted.

MR. DEPUTY-SPEAKER: I shall now put the Supplementary Demands for Grants (Railways) for 2005-2006 to the vote of the House.

The question is:

"That the respective supplementary sums not exceeding the amounts shown in the third column of the Order Paper be granted to the President of India, out of the Consolidated Fund of India, to defray the charges that will come in course of payment during the year ending the 31st day of March, 2006, in respect of the heads of Demands entered in the second column thereof against Demand Nos. 3, 4, 6, 10, 11, 12, 13, 14 and 16. "

The motion was adopted.

MR. DEPUTY-SPEAKER: I shall now put the Demands for Excess Grants (Railways) for 2003-2004 to the vote of the House.

The question is:

"That the respective excess sums not exceeding the amounts shown in the third column of the Order Paper be granted to the President of India, out of the Consolidated Fund of India, to make good the excess on the respective grants during the year ended the 31st day of March, 2004, in respect of the heads of Demands entered in the second column thereof against Demand Nos. 14, 15 and 16."

The Motion was adopted.